RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2023-2024

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक- 41 | भीलवाड़ा, सोमवार, 13 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-04 | मूल्य-04 रूपये

अमेरिका-ईरान युद्धः इस्लामाबाद वार्ता विफल, ट्रंप ने किया होर्मुज जलडमरूमध्य की नौसैनिक नाकाबंदी का ऐलान

▪ स्मार्ट हलचल

वाशिंगटन/इस्लामाबादः अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को शांत करने के लिए इस्लामाबाद में चल रही उच्च स्तरीय शांति वार्ता बिना किसी समझौते के विफल हो गई है। इसके तुरंत बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार (13 अप्रैल) से ईरानी बंदरगाहों और रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण 'होर्मुज जलडमरूमध्य' (Strait of Hormuz) की नौसैनिक नाकाबंदी का आदेश दे दिया है। वार्ता टूटने और इस नाकाबंदी के ऐलान के बाद खाड़ी क्षेत्र में पूर्ण युद्ध भड़कने की आशंका फिर से चरम पर है, जिसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ा है और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं।

क्यों विफल हुई इस्लामाबाद वार्ता?

पाकिस्तान की मध्यस्थता में लगभग 21 घंटे तक चली मैराथन वार्ता के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और उनका प्रतिनिधिमंडल वापस लौट गया है। उपराष्ट्रपति वेंस ने स्पष्ट किया कि अमेरिका ने शांति के लिए अपना 'अंतिम और सर्वश्रेष्ठ प्रस्ताव' (Final and best offer) ईरान के समक्ष रखा था, लेकिन तेहरान ने उन शर्तों को मानने से साफ इनकार कर दिया। विवाद का मुख्य कारण ईरान का परमाणु कार्यक्रम रहा। अमेरिका की सख्त मांग थी कि ईरान अपना यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह खत्म करे और परमाणु हथियार न बनाने की दीर्घकालिक गारंटी दे। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने अमेरिका की इन मांगों को 'अत्यधिक और गैर-कानूनी' बताकर खारिज कर दिया।

अमेरिकी सेना (CENTCOM) का कड़ा कदम

शांति वार्ता के विफल होते ही अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने ऐलान किया है कि सोमवार दोपहर से वह ईरान के बंदरगाहों पर आवाजाही रोकने के लिए नाकाबंदी (Blockade) शुरू करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य से ईरान आने-जाने वाले सभी व्यापारिक व अन्य जहाजों को रोकेगी। हालांकि, गैर-ईरानी गंतव्यों की ओर जाने वाले जहाजों को गुजरने की अनुमति होगी।

ईरान का पलटवारः

'तुम लड़ोगे, तो हम भी लड़ेंगे' अमेरिकी नाकाबंदी की इस घोषणा के बाद ईरान ने बेहद तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरानी संसद के अध्यक्ष और वार्ताकार मोहम्मद बागर कालीबाफ ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर तुम लड़ोगे, तो हम भी लड़ेंगे।' ईरान के 'इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (IRGC) ने चेतावनी जारी की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह से उनके नियंत्रण में है। आईआरजीसी ने स्पष्ट किया है कि वाणिज्यिक जहाजों के लिए मार्ग खुला है, लेकिन अगर अमेरिकी सैन्य जहाजों ने कोई भी आक्रामक हरकत की या जलडमरूमध्य को ब्लॉक करने की कोशिश की, तो उन्हें 'करारा और विनाशकारी जवाब' मिलेगा।

दो सप्ताह के सीजफायर पर फिरा पानी

गौरतलब है कि मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और अमेरिकी 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत हो रहे हवाई हमलों के बीच, 7 अप्रैल 2026 को पाकिस्तान के अनुरोध पर दोनों देशों ने 14 दिन के अस्थायी सीजफायर पर सहमति जताई थी।इसका उद्देश्य कूटनीति को एक मौका देना था। लेकिन अब कूटनीतिक रास्ते बंद होने के बाद, दुनिया एक बार फिर से इस विनाशकारी युद्ध के अगले चरण की दहलीज पर खड़ी है।

सुरों की मलिका आशा भोसले का निधनः 92 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस, आज शिवाजी पार्क में होगा अंतिम संस्कार

▪ स्मार्ट हलचल

मुंबईः भारतीय सिनेमा की 'गोल्डन एरा' की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक, महान पार्श्व गायिका आशा भोसले का रविवार, 12 अप्रैल को मुंबई में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आठ दशकों से अधिक समय तक अपनी खनकती आवाज से श्रोताओं के दिलों पर राज करने वाली 'आशा ताई' के निधन से पूरे देश और संगीत जगत में शोक की लहर है।

अस्पताल में ली अंतिम सांस

आशा जी को सीने में संक्रमण (चेस्ट इन्फेक्शन) और अत्यधिक थकान की शिकायत के बाद शनिवार शाम मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के डॉ. प्रतीत समदानी के अनुसार, रविवार दोपहर 12 बजे मल्टी-ऑर्गन फेलियर के कारण उनका निधन हो गया। उनके बेटे आनंद भोसले और पोती जनाई भोसले ने इस दुखद खबर की पुष्टि की।

अंतिम दर्शन और संस्कार का कार्यक्रम

अंतिम दर्शनः आज (सोमवार, 13 अप्रैल) सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक उनके निवास स्थान (कासा ग्रांडे, लोअर परेल) पर।

अंतिम संस्कारः आज शाम 4 बजे दादर के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में। (गौरतलब है कि उनकी बड़ी बहन और स्वर कोकिला लता मंगेशकर का अंतिम संस्कार भी 2022 में इसी शिवाजी पार्क में पूरे राजकीय सम्मान के साथ हुआ था)।

आठ दशकों का बेमिसाल सांगीतिक सफर

10 साल की उम्र में 1943 की मराठी फिल्म 'माझा बाळ' से अपना गायन सफर शुरू करने वाली आशा भोसले ने 20 से अधिक भारतीय और विदेशी भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीत गाए। यह एक ऐसा कीर्तिमान है जो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है।

उन्होंने पॉप से लेकर गजल, भजन, कैबरे और शास्त्रीय संगीत तक हर विधा में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। ओ.पी. नय्यर, आर.डी. बर्मन (उनके पति) और खय्याम जैसे दिग्गज संगीतकारों के साथ उनके काम ने हिंदी सिनेमा के संगीत की दिशा बदल दी। हेलन पर फिल्माए गए 'पिया तू अब तो आजा' और 'ये मेरा दिल' जैसे चुलबुले गीतों से लेकर 'उमराव जान' की 'इन आँखों की मस्ती' और 'इजाज़त' के 'मेरा कुछ सामान' जैसी भावपूर्ण गजलों तक, उनका दायरा असीमित था।

देश-दुनिया से मिल रही श्रद्धांजलि संगीत में उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2000 में सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान 'दादा साहब फाल्के पुरस्कार' और 2008 में 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया था। इसके अतिरिक्त उन्हें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी प्राप्त हुए थे।

उनके निधन पर देश के शीर्ष नेताओं और कला जगत ने गहरी संवेदना व्यक्त की है:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीः 'उनकी असाधारण संगीत यात्रा ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर के अनगिनत दिलों को छुआ। उनके गीत पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मूः 'यह संगीत प्रेमियों के लिए एक अपूरणीय क्षति है।'

ए.आर. रहमानः 'वह अपनी आवाज और आभा के साथ हमेशा जीवित रहेंगी।'

सचिन तेंदुलकरः 'यह भारत और दुनिया भर के संगीत प्रेमियों के लिए एक बेहद दुखद दिन है।'

स्मार्ट हलचल पत्र परिवार संगीत की इस महान विभूति को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है। आशा ताई भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके गाए सदाबहार सुर हमेशा फिजाओं में गूंजते रहेंगे।

भारत की अर्थव्यवस्था पर मध्य-पूर्व संकट का सायाः 2027 में 6.6% विकास दर का अनुमान

▪ स्मार्ट हलचल / नई दिल्ली

विश्व बैंक (World Bank) ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर अपना ताजा दृष्टिकोण जारी किया है। एक ओर जहाँ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है, वहीं विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2027 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर (GDP Growth) 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। हालांकि, इस सकारात्मक वृद्धि दर के बावजूद, रिपोर्ट में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि मध्य-पूर्व (Middle East) में गहराते सैन्य संकट के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर जोखिम मंडरा रहा है।

मध्य-पूर्व संकट से भारत को क्या हैं प्रमुख खतरे?

1. कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल (Inflation Risk):

वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित नौसैनिक नाकाबंदी के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा चुकी हैं। चूंकि भारत अपनी कुल पेट्रोलियम खपत का 80% से अधिक आयात करता है, इसलिए महंगे कच्चे तेल का सीधा असर देश के आयात बिल (Import Bill) पर पड़ेगा। इससे घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे परिवहन महंगा होगा और आम आदमी पर महंगाई (Inflation) की दोहरी मार पड़ेगी।

2. व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला में बाधा (Supply Chain Disruption):

खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता के कारण समुद्री व्यापारिक मार्ग, विशेषकर लाल सागर और अरब सागर के रास्ते, असुरक्षित हो गए हैं। जहाजों को लंबे और महंगे रास्तों से गुजरना पड़ रहा है, जिससे माल ढुलाई (Freight) की लागत में भारी वृद्धि हुई है। इसका सीधा असर भारत के निर्यात (Export) और जरूरी वस्तुओं के आयात पर पड़ रहा है, जो आर्थिक विकास की गति को धीमा कर सकता है।

3. राजकोषीय घाटे पर दबाव (Fiscal Deficit):

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और रुपये की अस्थिरता के कारण सरकार के राजकोषीय घाटे (Fiscal Deficit) के लक्ष्य पर दबाव पड़ना तय है। महंगाई को नियंत्रित करने के लिए यदि सब्सिडी का बोझ बढ़ता है, तो सरकार को विकास कार्यों और बुनियादी ढांचे (Infrastructure) के बजट में कटौती करनी पड़ सकती है।

क्या कहते हैं आर्थिक विशेषज्ञ?

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि खाड़ी देशों में युद्ध लंबा खिंचता है या और अधिक देश इस संघर्ष में शामिल होते हैं, तो विश्व बैंक समेत अन्य वैश्विक रेटिंग एजेंसियों को भारत के इस 6.6% के वृद्धि अनुमान में कटौती करनी पड़ सकती है।

सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) वैश्विक हालात और मध्य-पूर्व के घटनाक्रमों पर पैनी नज़र बनाए हुए हैं, ताकि किसी भी बड़े आर्थिक झटके से निपटने के लिए समय रहते नीतिगत कदम उठाए जा सकें।

8.36 करोड़ के नवीन CHC भवन का भव्य शिलान्यास

सांसद दामोदर अग्रवाल ने किया भूमि पूजन; चिकित्सा सुविधाओं की दिशा में ऐतिहासिक कदम

▪ स्मार्ट हलचल

राजस्थान सरकार के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की बजट घोषणा के तहत, 8 करोड़ 36 लाख की स्वीकृति से बडलियास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) के नवीन भवन निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का विधि-विधानपूर्वक शिलान्यास एवं भूमि पूजन समारोह रविवार को भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं मांडलगढ़ विधायक की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य शिलापट्टिका का अनावरण कर अतिथियों ने क्षेत्रवासियों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की एक महत्वपूर्ण सौगात समर्पित की। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों तक उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हों। विधायक ने कहा कि इस आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से स्थानीय नागरिकों को उपचार हेतु दूरस्थ शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा।

जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थितिः

इस अवसर पर विधानसभा संयोजक अनिल पारीक, नंदराय मंडल अध्यक्ष प्रकाश सांगावत, महाराज दिलीप सिंह, वरिष्ठ नेता रमेश शर्मा, राधेश्याम पोरवाल, पंचायत समिति सदस्य दिलीप सिंह राणावत, महामंत्री गोपाल राजस्थला, शोभालाल जाट, शिवलाल जाट एवं प्रशासक प्रकाश चन्द्र रैगर सहित संगठन के भंवर सिंह राणावत, युवराज सिंह, कमलेश पोरवाल, मुकेश पोरवाल, मुकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। यह नवीन केंद्र बडलियास एवं आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

चलती मोटरसाइकिल बनी आग का गोला, काम पर जा रहा युवक बुरी तरह झुलसा

केसरपुरा के पास हुआ हादसा, ग्रामीणों ने बचाई जान; इलाज के लिए भीलवाड़ा भेजा

▪ स्मार्ट हलचल

खजूरी / उप तहसील क्षेत्र के केसरपुरा गांव के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां सड़क से गुजर रही एक मोटरसाइकिल अचानक बंद होकर आग का गोला बन गई, जिससे बाइक सवार युवक बुरी तरह झुलस गया। ग्रामीणों की तत्परता से युवक की जान बच गई, जिसे गंभीर हालत में भीलवाड़ा रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम बरड़ा निवासी शिवराज धाकड़ पुत्र कालू जी धाकड़ अभयपुर स्थित एक माइंस पर कार्य करने के लिए घर से मोटरसाइकिल पर निकला था। रास्ते में केसरपुरा गांव के पास उसकी बाइक अचानक बंद हो गई और देखते ही देखते उसमें भीषण आग भभक उठी। आग इतनी तेज थी कि शिवराज खुद को बचा नहीं पाया और लपटों से घिरकर बुरी तरह झुलस गया। दर्द से तड़प रहे शिवराज की चीखें सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण तुरंत दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर आग बुझाई और झुलसे हुए युवक को बचाया। इसके बाद ग्रामीणों ने परिजनों को हादसे की सूचना दी और बिना समय गंवाए युवक को एक गाड़ी में बैठाकर इलाज के लिए तुरंत भीलवाड़ा अस्पताल भेज दिया। फिलहाल युवक का भीलवाड़ा में उपचार जारी है।

127 मेधावी विद्यार्थियों का होगा भव्य सम्मान

10वीं व 12वीं में 90% से अधिक अंक लाने वाली प्रतिभाओं का होगा अभिनंदन

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा ।शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शाहपुरा-बनेड़ा विधानसभा क्षेत्र में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन कल, सोमवार (13 अप्रैल 2026) को किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 10:15 बजे रामकोठी (रामद्वारा), शाहपुरा में आयोजित होगा। समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 127

मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के लिए उनके अभिभावक, शिक्षक, संस्था प्रधान तथा शिक्षा जगत से जुड़े गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे। विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने बताया कि इस सम्मान समारोह का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। जब प्रतिभावान विद्यार्थियों को मंच पर सम्मान मिलता है, तो इससे अन्य छात्रों को भी कड़ी मेहनत कर बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। इस आयोजन को क्षेत्र में शिक्षा का स्तर सुधारने और सकारात्मक वातावरण बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में शिक्षा जगत से जुड़े कई विषयों पर चर्चा कर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन भी किया जाएगा।

एक साल से अधूरा पड़ा नाला बना आफत, खुली गंदगी से ग्रामीण परेशान

नाले में गिर रहे मवेशी, बारिश से पहले काम पूरा नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन की चेतावनी

▪ स्मार्ट हलचल

पोटलां/ कस्बे में सहाड़ा पंचायत समिति द्वारा गौ कुड़ी से रैगर मौहल्ला के धोलाजी बावजी तक बनवाया जा रहा नाला एक साल बाद भी आधा-अधूरा पड़ा है। ठेकेदार की मनमानी और प्रशासन की अनदेखी से ग्रामीणों में भारी रोष है। ग्रामीणों ने बताया कि रावला चौक, सहकारी डेयरी, पारिक मौहल्ला, दूरभाष केन्द्र व पुराने अस्पताल की नालियों का पानी इसी नाले से निकलता है। नाले में मिट्टी जमा होने से गंदा पानी रुक गया है, जिससे भयंकर बदबू आ रही है और आसपास के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। नाला खुला होने के कारण आए दिन इसमें गाय, भैंस, भेड़ व बकरियां गिर रही हैं, जिससे पशुपालकों को भी परेशानी हो रही है। लोगों को डर है कि थोड़ी सी बारिश में ही इलाके में जलभराव हो जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर विधायक और प्रशासन को कई बार अवगत कराया जा चुका है। पूर्व में प्रधान प्रतिनिधि शिवलाल भील के आश्वासन पर काम शुरू हुआ था, लेकिन अब महीनों से फिर बंद है। नाराज ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि मानसून से पहले नाले का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा नहीं किया गया, तो वे सड़क पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करने को विवश होंगे।

आसींद–हुरड़ा में करोड़ों के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण

▪ स्मार्ट हलचल । भीलवाड़ा

बरसनी । राजस्थान सरकार के डेयरी एवं पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने आसींद–हुरड़ा विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर लक्ष्मीपुरा एवं फलामादा ग्राम पंचायतों में करोड़ों रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मंत्री कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास एवं पशुपालकों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पशुपालन को बढ़ावा देने के साथ गांवों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इन विकास कार्यों से आमजन को सीधा लाभ मिलेगा तथा फलामादा में पशु चिकित्सालय की स्थापना से पशुपालकों को बड़ी राहत मिलेगी और पशुओं का समय पर उपचार संभव हो सकेगा।

आसींद क्षेत्र के विधायक जब्बर सिंह सांखला ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक कोष एवं राज्य सरकार के सहयोग से ग्राम पंचायतों में करोड़ों रुपये के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्मीपुरा एवं फलामादा सहित कई गांवों में हुए इन कार्यों से आधारभूत सुविधाएं सुदृढ़ होंगी तथा आमजन को सीधा लाभ मिलेगा।

फलामादा ग्राम पंचायत के सरपंच महिपाल सिंह चूंडावत ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि गांव को पशु चिकित्सालय की सौगात मिलना क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। अब पशुपालकों को उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

कार्यक्रम के दौरान नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लाम्बा, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, हुरड़ा प्रधान कृष्णा सिंह राठौर, हेमराज चौधरी, हनुमंत सिंह राठौर सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन (JJM) घोटाले में ACB की कार्रवाई तेज, अब उदयपुर संभाग भी जांच के घेरे में

▪ स्मार्ट हलचल । जयपुर/उदयपुर

(13 अप्रैल 2026): राजस्थान के बहुचर्चित जल जीवन मिशन (JJM) महाघोटाले में जांच एजेंसियों का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) की जांच का दायरा अब केवल राजधानी जयपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के अन्य संभागों तक पहुंच गया है। ताज़ा घटनाक्रम में एसीबी की रडार पर अब 'उदयपुर संभाग' आ गया है, जहां पानी की पाइपलाइन बिछाने और टेंडर आवंटन में भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के इनपुट मिले हैं।

रिमांड पर चल रहे

आरोपियों से मिले सुराग सूत्रों के अनुसार, घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार मुख्य आरोपियों और रिमांड पर चल रहे आला अधिकारियों (जिनमें रिटायर्ड आईएएस सुबोध अग्रवाल जैसे बड़े नाम शामिल हैं) से सघन पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इन्हीं पूछताछ के आधार पर जांच एजेंसियों को उदयपुर संभाग में हुए बड़े फर्जीवाड़े के अहम सुराग हाथ लगे हैं।

उदयपुर संभाग मेंगड़बड़ी के मुख्य बिंदुः

एसीबी की प्रारंभिक जांच और मिली शिकायतों के अनुसार उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और राजसमंद जिलों में मुख्य रूप से तीन स्तरों पर **गड़बड़ियां सामने आ रही हैंः**

फर्जी प्रमाण पत्रों का खेलः कई चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए फर्जी अनुभव प्रमाण पत्रों (Fake Experience Certificates) के आधार पर करोड़ों रुपये के टेंडर नियमों को ताक पर रखकर आवंटित कर दिए गए।

घटिया पाइप और सामग्रीः ग्रामीण इलाकों में हर घर नल पहुंचाने की इस योजना में जिस सामग्री और पाइपों का इस्तेमाल किया गया, उनकी गुणवत्ता बेहद खराब पाई गई है। कई जगह बिना ISI मार्क वाले पाइप जमीन में दबा दिए गए।

कागजों में नल कनेक्शनः कई आदिवासी और दूरदराज के गांवों में जमीनी स्तर पर काम पूरा हुए बिना ही, कागजों में फर्जी नल कनेक्शन दिखाकर ठेकेदारों द्वारा करोड़ों का भुगतान उठा लिया गया।

दस्तावेज़ खंगालने की तैयारी

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि एसीबी की विशेष टीमें जल्द ही उदयपुर संभाग के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर सकती हैं। वर्ष 2020 से लेकर अब तक जारी किए गए सभी बड़े टेंडरों की पत्रावलियां, भुगतान के बिल और ठेकेदारों के बैंक खातों की बारीकी से जांच की जाएगी।

सरकार का कड़ा रुख राज्य सरकार ने जल जीवन मिशन में हुए इस भ्रष्टाचार को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपना रखी है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि जनता के पीने के पानी के पैसे में सेंधमारी करने वाले किसी भी इंजीनियर, ठेकेदार या बड़े सफेदपोश नेता को बख्शा नहीं जाएगा। आने वाले दिनों में उदयपुर संभाग के कई बड़े अधिकारियों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है।

अवैध बजरी खनन पर बड़लियास पुलिस की तीसरे दिन भी कार्यवाही, दो ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त

▪ स्मार्ट हलचल / सवाईपुर

बड़लियास थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन के खिलाफ लगातार तीसरे दिन भी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के भाकलिया गांव के पास से अवैध बजरी परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर थाने लाकर खड़ा किया । एएसआई गोपाल सिंह ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देश पर जसवंत सिंह थाना प्रभारी के नेतृत्व में रविवार सुबह को बड़लियास थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन पर कार्रवाई करते हुए भाकलिया गांव के पास जित्या माफी रोड़ पर अवैध बजरी परिवहन जाने पर दो ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर प्रकरण दर्ज किया गया । पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के बजरी माफियों में हड़कंप सा मचा हुआ है, पुलिस की तीन दिन में यह तीसरी कार्रवाई हैं । इस कार्रवाई में एएसआई गोपाल सिंह, कांस्टेबल बाबूलाल, विनोद कारगवाल आदि शामिल रहे ।।

माण्डलगढ़ के सांगा भवन में समारोहपूर्वक मनाई गई राणा सांगा जयंती

राणा सांगा अदम्य वीर व न्यायप्रिय शासक थे, उनके जीवन से लें संगठित रहने की सीखः प्रदीप सिंह

▪ स्मार्ट हलचल

लाडपुरा | शिव लाल जांगिड़ महान शूरवीर महाराणा सांगा की जयंती रविवार को माण्डलगढ़ के सांगा भवन में समारोहपूर्वक मनाई गई। उपस्थित जनों ने राणा सांगा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। समारोह को संबोधित करते हुए मांडलगढ़ के पूर्व विधायक एवं क्षत्रिय समाज के संरक्षक प्रदीप कुमार सिंह सिंगोली ने कहा कि राणा सांगा अदम्य वीर योद्धा के साथ-साथ न्यायप्रिय एवं स्वाभिमानी शासक थे। उनके चरित्र से हमें संगठित रहने की सीख मिलती है। उन्होंने कहा कि आज का दौर संगठित रहने का है, संगठन से ही समाज मजबूत होता है। राणा सांगा सेवा संस्थान मांडलगढ़ के अध्यक्ष कुलदीप सिंह श्यामपुरा ने राणा सांगा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आगामी समय में आयोजन कमेटी के माध्यम से सामूहिक निर्णय लेकर युवा पीढ़ी के सहयोग से कार्यक्रमों को और अधिक भव्य बनाया जाएगा। इस अवसर पर संजय सिंह देवड़ा, राजेंद्र सिंह अमरतिया, के.पी. सिंह नाहरगढ़, महेंद्र सिंह धाकड़खेड़ी, फूल सिंह कानावत और शंकर सिंह कानावत ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन दिनेश सिंह शक्तावत ने किया। कार्यक्रम में ठाकुर भगवत सिंह नाहरगढ़ (लाला बना), ठाकुर अक्षय सिंह महुआ, अजयराज सिंह देवपुरा, नरपत सिंह सिंगोली, गिरधर गोपाल सिंह, प्रदीप सिंह राणावत, चंद्रवीर सिंह धाकड़ खेड़ी, मोहन सिंह लाडपुरा, अर्जुन सिंह राजावतों का खेड़ा सहित बड़ी संख्या में क्षत्रिय युवा उपस्थित रहे।

दुर्घटना को न्यौता देता आसींद जल विभाग का खड्डा

▪ स्मार्ट हलचल

सड़क के बीचो-बीच खड्डाखोद बुला प्रशासन

आसींद । उपखंड मुख्यालय आसींद के हॉस्पिटल मार्ग पर जल विभाग और ठेकेदार की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जल सप्लाई लाइन में लीकेज ठीक करने के नाम पर सड़क के बीचों-बीच गहरा गड्ढा खोदा गया, लेकिन काम पूरा होने के बाद उसे वैसे ही खुला छोड़ दिया गया है। अस्पताल की ओर जाने वाले इस मुख्य और व्यस्त मार्ग पर यह गड्ढा अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। स्थिति यह है कि ठेकेदार के कर्मचारियों ने लीकेज तो ठीक कर दिया, लेकिन गड्ढे को नहीं भरने से यहाँ कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। विशेष रूप से दुपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वाले मरीजों के लिए यह गड्ढा बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने बताया कि व्यस्त मार्ग होने के बावजूद विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। गड्ढे के कारण आए दिन लोग चोटिल हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे हुए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस गड्ढे को भरवाकर सड़क को दुरुस्त किया जाए, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

एस. टेक कॉलेज ऑफ नर्सिंग के मुद्दों पर उग्र हुआ छात्र आक्रोश, एबीवीपी का जोरदार प्रदर्शन

▪ स्मार्ट हलचल

नर्सिंग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर जताया विरोध,देर तक चला आंदोलन,कॉलेज प्रशासन ने सभी प्रमुख मांगों को किया स्वीकार

भीलवाड़ा। एस. टेक कॉलेज ऑफ नर्सिंग से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कॉलेज प्रशासन पर छात्रों की समस्याओं की लगातार अनदेखी करने का आरोप लगाया और जल्द से जल्द समाधान की मांग की। कई बार प्रशासन को ज्ञापन देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे छात्रों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। महानगर मंत्री कुणाल सिंह राणावत ने बताया की विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एबीवीपी ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। एबीवीपी पदाधिकारियों का कहना था कि लंबे समय से छात्र-छात्राएं परेशान हो रहे थे, लेकिन कॉलेज प्रशासन उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा था। आंदोलन लगातार बढ़ता गया और देर तक प्रदर्शन जारी रहा। अंततः प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा और एबीवीपी प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की गई। वार्ता के बाद प्रशासन ने विद्यार्थियों की सभी प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि छात्र हितों से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि भविष्य में फिर से छात्रों के साथ किसी भी प्रकार की अनदेखी होती है, तो संगठन और भी उग्र आंदोलन करेगा। वहीं, प्रशासन ने आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा। प्रदर्शन के सफल समापन के बाद छात्रों में संतोष का माहौल देखने को मिला। इस दौरान नमन जैन, हिमांशु दादीच, लविश जीनगर, विट्ठल शर्मा, दीपा जाट, अंकित तेली, शिवांश नायक, शुभम सिंह, दीपक वर्मा, रौनक मेघवंशी, आयुष शर्मा सहित कई छात्र-छात्राओ सहित एबीवीपी के सदस्य उपस्थित रहे।

बेजुबानों के लिए बांटे और बांधे परिंडे

▪ स्मार्ट हलचल

शहर के विभिन्न पार्कों व मंदिरों में लगाए पानी से भरे सकोरे, दिया जीव दया का संदेश

भीलवाड़ा। भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए 'श्री राधे फाउंडेशन' द्वारा शहर में परिंडे वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था के अध्यक्ष कमलेश दरगड़ ने बताया कि सदस्यों के सहयोग से अहिंसा सर्कल पर परिंडे वितरित किए गए। साथ ही, तिलक नगर सेक्टर 10 पार्क, कुवाड़ा स्थित तेजाजी मंदिर, श्री विहार स्थित पार्क, आदर्श नगर स्थित चारभुजा मंदिर, गोकुल विहार पार्क और अहिंसा सर्कल पर पानी भरकर परिंडे पेड़ों पर बांधे गए। बढ़ते शहरीकरण के बीच पक्षियों के संरक्षण की इस पहल को क्षेत्रवासियों ने खूब सराहा। संस्था का उद्देश्य आमजन में जीव दया की भावना जगाना है, क्योंकि छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े बदलाव लाते हैं। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार जागेटिया, सुनील सोमानी, राजेन्द्र पोरवाल, जगदीश सोनी, ओम सोमानी, अभय डाड, सत्यनारायण मूंदड़ा, नवीन झंवर, पंकज काबरा, ओम काबरा सहित कई सदस्य मौजूद रहे। अंत में सचिव धर्मेन्द्र बसेर व संगठन मंत्री सुशील बागड़ ने सभी का आभार जताया।

रक्तदान जागरूकता पखवाड़ा, रायपुर के इतिहास में रचा गया नया कीर्तिमान, रिकॉर्ड 425 यूनिट रक्तदान

सेवा और समानता के संदेश को आत्मसात करने का सबसे श्रेष्ठ तरीका है रक्तदानः पूर्व मंत्री रामलाल जाट

▪ स्मार्ट हलचल

युवा रक्तदाताओं का जोश ही विजन इंडिया वेलफेयर सोसायटी की असली ताकतः शंकर लाल गाडरी

रायपुर। विजन इंडिया वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित रक्तदान जागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत रविवार, को श्री हस्ती गुरु पावन धाम रायपुर में सेवा का महाकुंभ उमड़ पड़ा। भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आगामी जयंती को समर्पित इस विशाल रक्तदान शिविर में युवाओं और क्षेत्रवासियों ने अभूतपूर्व उत्साह दिखाते हुए कुल 425 यूनिट रक्तदान किया। यह रायपुर क्षेत्र के अब तक के इतिहास का पहला ऐसा कैंप है जिसमें 400 यूनिट से अधिक का रिकॉर्ड संग्रहण हुआ है। शिविर का विधिवत शुभारंभ सुबह 8.15 बजे पूज्य संतों के समागम के पावन सानिध्य में हुआ। संतों ने दीप प्रज्वलन कर इस पुनीत कार्य की शुरुआत की और उपस्थित जनसमूह को मानवता की सेवा का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रामलाल जाट ने में कहा की रक्तदान ही सच्चा जीवनदान है। बाबा साहेब के सेवा और समानता के संदेश को आत्मसात करने का आज के युवाओं ने यह सबसे श्रेष्ठ तरीका चुना है। विशिष्ट अतिथि विधायक प्रत्याशी राजेंद्र त्रिवेदी ने कहा कि रायपुर के युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में एकत्रित होकर सेवा की एक नई और ऐतिहासिक मिसाल पेश की है। शिविर में पूर्व विधायक गायत्री त्रिवेदी और भूमि विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष चेतन डीडवानिया ने भी उपस्थित होकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। रक्त संग्रहण का महत्वपूर्ण कार्य महाराणा भोपाल अस्पताल ब्लड बैंक (उदयपुर) एवं अरिहंत अस्पताल ब्लड बैंक (भीलवाड़ा) की कुशल चिकित्सा टीमों द्वारा पूरी सावधानी के साथ संपन्न किया गया। सोसायटी सचिव शंकर लाल गाडरी ने कहा की आज रायपुर की पावन धरा पर सेवा का जो सैलाब उमड़ा है, उसने इतिहास रच दिया है। 425 यूनिट का यह आंकड़ा बाबा साहेब के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि और मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने उन सभी रक्तदाताओं का विशेष आभार व्यक्त किया जिन्होंने धैर्य के साथ कतारों में लगकर रक्तदान किया। गाडरी ने कहा कि युवाओं का यह जोश ही हमारी संस्था की असली ताकत है। इस अवसर पर शंकर लाल जाट, सुशीला सालवी, रणदीप त्रिवेदी, श्याम लाल पुरोहित, शिवराज सिंह, प्रतिभा गोपाल सोमानी, बद्री जाट, कुलदीप त्रिवेदी, मोहन लाल तिवारी, माँगी लाल जाट, गहरी लाल जाट, महिला ब्लॉक अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचगण, सामाजिक कार्यकर्ता और सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सोसायटी अध्यक्ष ओम प्रकाश नराणीवाल ने सभी अतिथियों, संतों, रक्तदाताओं और मेडिकल टीम का आभार प्रकट किया।

अंबेडकर जयंती को लेकर आसींद में तैयारियां जोरों पर

▪ स्मार्ट हलचल / आसींद

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को लेकर आसींद में कार्यकर्ताओं ने भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारी में लग गए हैं l

जयंती को लेकर कार्यकर्ता क्षेत्र के सभी गांव के कार्यकर्ताओं को निमंत्रण भेज कर न्योता दे रहे हैं तथा कस्बे के मुख्य मार्गो तथा बाजारों में पोस्टर बैनर के माध्यम से सजाया गया है

सामाजिक कार्यकर्ता संदीप चावला ने जानकारी देते हुए बताया कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर आसींद कस्बे के मुख्य मार्ग से एक विशाल जुलूस का आयोजन किया जाएगा तथा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सर्किल आसींद पर एक जनसभा का आयोजन भी होगा l तथा चावला ने बताया कि आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए कमर कस ली है विधानसभा के प्रत्येक गांव में कार्यकर्ताओं को निमंत्रण भेज रहे हैं आयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर कार्यकर्ता लगातार रूपरेखा तैयार कर रहे हैं इस आयोजन में क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ-साथ कई जनप्रतिनिधि भी शिरकत करेंगे बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और समाज में एकरूपता का संदेश देना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य होगा आकाश अटवाल,पहलाद रेगर हेमंत अटवाल के साथ कई भीम सैनिक इस कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हुए हैं

जगत वल्लभ जैन दिवाकर स्तंभ का हुआ लोकार्पण

▪ स्मार्ट हलचल । भीलवाड़ा

शंभूपुरा।जैन दिवाकर चौथमल जी म.सा के नामकरण वाले दिवाकर स्तंभ का लोकार्पण चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के मुख्य आतिथ्य, डा.आई एम सेठिया राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन दिवाकर संगठन समिति अध्यक्ष की अध्यक्षता और श्रमण संघ अध्यक्ष किरण डांगी के विशिष्ट आतिथ्य में शनिवार को रेलवे स्टेशन रोड, दिवाकर मार्ग पर संपन्न हुआ। श्री जैन दिवाकर संगठन समिति चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष राजेश सेठिया और मंत्री सुधीर जैन के संयोजन में आयोजित इस लोकार्पण कार्यक्रम में अनुष्ठान आराधिका पूज्य साध्वी डा कुमुदलता म.सा, स्वर साम्राज्ञी पूज्य साध्वी डा महाप्रज्ञा म. सा, पूज्य साध्वी डा पदमकीर्ति म.सा एवं राजकीर्ति

म.सा की पावन निश्रा में आयोजित जैन दिवाकर स्तंभ के लोकार्पण के प्रारंभ में नवकार मंत्र की स्तुति कर साध्वी डा.कुमुद लता म सा ने मांगलिक श्रवण करवाया और मुख्य अतिथि चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभानसिंह आक्या ने मोली बंधन खोलकर जैन दिवाकर स्तंभ का अनावरण किया। जैन दिवाकर स्तंभ के चारों और सुंदर रंगोली बनाकर कृत्रिम रंगीन फूलों से पूरे क्षेत्र को आकर्षक बनाया गया और प्रताप सर्किल को जैन ध्वजा से सजाया गया। लोकार्पण कार्यक्रम प्रातः 7.15 बजे सम्पन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में जैन श्रावक श्राविकाएं उत्साह से सम्मिलित हुए। 'जग में चमके जैन दिवाकर' ,'चमक रहा भई चमक रहा जैन दिवाकर चमक रहा'के उद्घोषों से वातावरण धर्ममय हो गया। लोकार्पण के पश्चात शहीद स्मारक पार्क में हुए एक सादे समारोह में साध्वी डा कुमुदलता ने चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभानसिंह आक्या और नगर परिषद चित्तौड़गढ़ की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि शक्ति और भक्ति की नगरी चित्तौड़गढ़ में धर्म और श्रद्धा का केंद्र बनेगा श्री जैन दिवाकर स्तंभ। ये स्तंभ देश, विदेश से आने वाले पर्यटक और धर्मावलंबियों के लिए आस्था का केंद्र बना रहेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में होमगार्ड जवान की मौत, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

▪ स्मार्ट हलचल

खखरेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र के कठारिया गांव निवासी एक होमगार्ड जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक के भतीजे राजकुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके चाचा ज्ञान सिंह (58) पुत्र सांवल सिंह की रविवार सुबह अचानक मौत हो गई। बताया गया कि शनिवार शाम ज्ञान सिंह गांव के बाहर शराब के नशे में पड़े मिले थे। सूचना मिलने पर परिजन उन्हें घर ले आए, जहां वह सो गए।

रविवार सुबह जब परिजन उन्हें चाय के लिए जगाने पहुंचे तो वह मृत अवस्था में मिले। घटना के बाद परिजनों ने मौत को संदिग्ध बताते हुए पुलिस से जांच और कार्रवाई की मांग की है। मृतक खखरेरू थाने में होमगार्ड के पद पर तैनात थे। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी रही कि कहीं जहरीली शराब के सेवन से उनकी मौत तो नहीं हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

अजमेर पुलिस के सेवा और साहस को सलाम: कहीं झील में कूदकर बचाई बुजुर्ग की जान, तो कहीं सीसीटीवी खंगालकर लौटाया महिला का खोया बैग

▪ स्मार्ट हलचल

जयपुर । राजस्थान पुलिस के ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास को चरितार्थ करते हुए अजमेर जिला पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में अपनी तत्परता और मानवीय संवेदना का अनूठा उदाहरण पेश किया है। एक तरफ जहां पुलिस के एक जांबाज चालक ने अपनी जान जोखिम में डालकर आनासागर झील में डूबते बुजुर्ग को बचाया, वहीं दूसरी ओर एक सजग कांस्टेबल ने 80 सीसीटीवी कैमरों की मदद से एक महिला का खोया हुआ कीमती बैग बरामद कर उसे वापस लौटाया।

देवदूत बनकर आए कांस्टेबल मानसिंह

पहली घटना 9 अप्रैल की है, जब पंचशील निवासी एक सेवानिवृत्त बुजुर्ग व्यक्ति घरेलू विवाद से व्यथित होकर आत्महत्या के इरादे से आनासागर झील में कूद गए। इसी दौरान वहां से गुजर रहे पुलिस कांस्टेबल चालक मानसिंह (बेल्ट नंबर 1728) की नजर उन पर पड़ी। मानसिंह ने बिना एक पल गंवाए अदम्य साहस का परिचय दिया और वर्दी की मर्यादा को सर्वोपरि रखते हुए झील के गहरे पानी में छलांग लगा दी। उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद बुजुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाला और तुरंत जवाहर लाल नेहरू अस्पताल पहुँचाकर उनका उपचार कराया। इसके बाद परिजनों को सूचना देकर बुजुर्ग को उनके सुपुर्द किया गया।

80 कैमरों की मदद से बरामद किया बैग

दूसरी घटना 8 अप्रैल की है, जब जोधपुर से अपने पीहर अजमेर पहुंची हीना नामक महिला का बैग भूलवश ई-रिक्शा में ही छूट गया था। महिला ने तुरंत रामगंज थाने पहुँचकर इसकी सूचना दी। थानाधिकारी प्रोबेशनर आरपीएस दीपेन्द्र सैनी के निर्देशन में कांस्टेबल मनीष शर्मा ने तुरंत मोर्चा संभाला। मनीष शर्मा ने प्रभावी कार्यप्रणाली का परिचय देते हुए शहर के विभिन्न मार्गों पर लगे लगभग 80 सीसीटीवी कैमरों का गहन अवलोकन किया और ई-रिक्शा को चिन्हित किया। ई-रिक्शा यूनियन से संपर्क कर रेलवे स्टेशन पर खड़ी रिक्शा से बैग बरामद किया गया। बैग में रखा सामान पूरी तरह सुरक्षित पाकर महिला भावुक हो गई और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

एसपी ने नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र से बढ़ाया हौसला

अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक हर्ष वर्धन अग्रवाला ने पुलिसकर्मियों के इन दोनों साहसिक और कर्तव्यनिष्ठ कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। एसपी ने कांस्टेबल मानसिंह और कांस्टेबल मनीष शर्मा, दोनों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें 2100-2100 रुपये का नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र प्रदान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपने कर्तव्यों का निष्ठा, ईमानदारी और तत्परता से निर्वहन करने वाले पुलिस कार्मिकों को भविष्य में भी इसी प्रकार प्रोत्साहित किया जाता रहेगा। पुलिस की इन दोनों कार्रवाइयों ने न केवल दो परिवारों के चेहरे पर मुस्कान लौटाई है, बल्कि समाज में पुलिस की छवि को और अधिक विश्वसनीय और मददगार बनाया है।

भाजपा कार्यकर्ता आम जन की सेवा में जुटें

▪ स्मार्ट हलचल

रायपुर/ सेवा पखवाड़े के तहत समर्पित होकर आम जन की सेवा में जुटें। क्षेत्र के विकास में धन की कमी नहीं आने दूंगा । मैं सदैव आपका सेवक बनकर कार्य करूंगा । उक्त विचार सेवा पखवाड़ा बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक लादू लाल पितलिया ने उपस्थित मंडल कार्यकारिणी एवं बूथ अध्यक्ष व उनकी कार्यकारिणी के समक्ष व्यक्त किए। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं भारतीय जनता पार्टी की जिला उपाध्यक्ष मंजू चेचाणी ने कहा कि संगठन की भावना के अनुसार आम जनता की सेवा के साथ राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से आमजन को जोड़ते हुए आने वाले चुनाव में जीत कैसे मिले इस हेतु सामूहिक व सार्थक प्रयास करना चाहिए । विधानसभा संयोजक रामेश्वर लाल छीपा नें पांच प्रकार के अध्यक्षों के कार्य को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम की अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी की मंडल अध्यक्ष डॉ मीरा किराड ने संगठन की रीति नीति के साथ कार्यकर्ताओं के उत्साह को नमन करते हुए आए समस्त अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया । बैठक को मंडल मीडिया प्रभारी राजवीर सिंह राठौड, विधायक प्रतिनिधि भैरूसिंह सिसोदिया ने भी संबोधित किया। बैठक में भीलवाडा भाजपा पदाधिकारी मुकेश चेचाणी, मंडल महामंत्री गौरव कोठारी व चंद्रशेखर देशांतरी, मंडल उपाध्यक्ष सूरजमल कुमावत सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य तथा 13 ग्राम पंचायतों के बूथ अध्यक्ष उपस्थित थे। सेवा पखवाड़ा बैठक के बाद हस्ती गुरु पवन धाम परिसर में स्वच्छता कार्य किया गया। वरिष्ठ भाजपा जनप्रतिनिधि कार्यकर्ताओं का विधायक लादू लाल पितलिया, जिला भाजपा उपाध्यक्ष मंजू चेचाणी, मंडल अध्यक्ष डॉक्टर मीरा किराड द्वारा घर पहुंच कर सम्मान किया गया।

त्रिवेणी संगम में विशाल कलश यात्रा के साथ निकाली भव्य शोभायात्रा

बानोड़ा बालाजी के तत्वावधान में श्री राम कृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ शुरू

▪ स्मार्ट हलचल

सवाईपुर :- क्षेत्र के त्रिवेणी संगम में भोलेनाथ मंदिर प्रांगण में बानोड़ा बालाजी के तत्वावधान में श्री राम कृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ को लेकर आज रविवार को विशाल कलशयात्रा के साथ चारभुजा नाथ की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, कल सोमवार से महायज्ञ की शुरुआत होगी । श्री बानोड़ा बालाजी सेवा मंडल के सदस्यों ने बताया कि श्री श्री 1008 श्री बानोड़ा बालाजी के तत्वावधान में त्रिवेणी संगम पर आज रविवार को श्री राम कृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ शुरू होगा, जिसमें पांच दिवसीय पंच कुंडीय महायज्ञ में जोड़े आहुतियां लगायेंगे । आज रविवार को त्रिवेणी सहित गोविंदपुरा, बीड़ का खेड़ा, खटवाड़ा, देवी सिंह जी का खेड़ा, सांड गांव, लोडियाणा, बिलिया, जालिया, पीपल्दा, मानपुरा, रामपुरिया, खाचरोल, भगवानपुरा, रलायता, होडा, पिताजी का खेड़ा, नंदराय, लालपुरा

सहित 25 गांवों से चारभुजा नाथ सहित कुल 38 बेवाणों की शोभायात्रा त्रिवेणी संगम पर पहुंची, गांवों से सुबह 9:15 बजे चारभुजानाथ के मंदिरों से कलश यात्रा शुरू हुई, जो दोपहर 12:15 बजे मेला चौक से एक साथ शोभायात्रा शुरू हुई । डीजे व ढोल नगाड़े के साथ कलशयात्रा व शोभायात्रा शुरू हुई, जो नेशनल हाईवे सहित विभिन्न मार्गो से होते हुए गुजरी, इस दौरान जगह-जगह शोभायात्रा व कलश यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया । 501 महिलाएं और बालिकाएं सिर पर कलश धारण कर कलश यात्रा में शामिल हुई, महिला-पुरुष व युवक-युवतियां भजनों पर नाचते गाते हुए चले । कल 13 अप्रैल सुबह पूजा-अर्चना के साथ महायज्ञ की शुरुआत होगी । वही 17 अप्रैल को को पूर्णाहुति के दिन दोपहर 2:15 बजे भगवान श्री चारभुजा नाथ और यज्ञ लक्ष्मी का पाणिग्रहण संस्कार होगा । प्रतिदिन रात्रि को भजन संध्या, बगड़ावत कथा का आयोजन होगा ।।

अज्ञात वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मृत्यु,सड़क पार करते दुर्घटना घटित

▪ स्मार्ट हलचल

विधानसभा क्षेत्र के दिल्ली जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर प्रागपुरा थाना क्षेत्र में सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से 50 वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु हो गई। प्रागपुरा थाना SI सूबे सिंह ने बताया कि एक व्यक्ति सड़क पार कर रहा था। सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। व्यक्ति को तुरंत उप जिला अस्पताल पावटा ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान घीसाराम उम्र 50 थाना सरुंड के रूप में की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

वंदना मीणा के नेतृत्व में गंगापुर सिटी में सचिन पायलट का ऐतिहासिक स्वागत, कार्यकर्ताओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

▪ स्मार्ट हलचल

गंगापुर । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार सचिन पायलट के गंगापुर सिटी आगमन पर महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस सवाई माधोपुर वंदना मीणा के नेतृत्व में छान स्टैंड पर कार्यकर्ताओं एवं आमजन द्वारा भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया। उनके आगमन पर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला तथा जगह-जगह फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया गया। कार्यकर्ताओं ने जोश के साथ नारेबाजी कर स्वागत को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में

कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर संगठन की मजबूती एवं क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस सवाई माधोपुर वंदना मीणा ने कहा कि सचिन पायलट के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी प्रदेश में मजबूती से आगे बढ़ रही है और आने वाले समय में जनता का विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा। उन्होंने कहा कि पायलट का यह दौरा कार्यकर्ताओं के लिए नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आया है, जिससे संगठन को नई मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने जोरदार नारेबाजी करते हुए अपने नेता के प्रति समर्थन व्यक्त किया। इस दौरान प्रमुख रूप से राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य सुरजीत मीना, भुवनेश कुमार, राजस्थान युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव सुबह सिंह सैमाड़ा, विनोद मुराड़ा, धर्मराज सांकड़ा सहित सैकड़ों समर्थक मौजूद रहे।

खेत को पानी किसान का अधिकार, हक के लिए संघर्ष रहेगा जारी – मोहिनी मोहन मिश्र

▪ स्मार्ट हलचल/ महुआ

लाडपुरा [शिव लाल जांगिड़] भारतीय किसान संघ चित्तौड़गढ़ प्रांत के तत्वावधान में रविवार को प्रतापगढ़ कृषि उपज मंडी परिसर में विशाल 'जनजातीय क्षेत्र किसान सम्मेलन' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन के साथ ही भारतीय किसान संघ की तीन दिवसीय समीक्षा योजना बैठक का भी समापन हुआ। जिला प्रचार प्रमुख श्यामलाल सुथार ने बताया कि इस अवसर पर धूणी चौपाल कर किसानों ने पारंपरिक रीति से सरकार को सुबुद्धि देने की प्रार्थना की। उन्होंने माही और जाखम बांधों का पानी क्षेत्र के सूखे खेतों तक पहुँचाने की मांग की। इस दौरान मंडी पहुंचने पर व्यापारियों ने पुष्प वर्षा कर किसानों का आत्मीय स्वागत किया।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने अपने संबोधन में कड़े तेवर अपनाते हुए कहा कि किसान सरकार से कोई दान नहीं, बल्कि अपना वाजिब हक मांग रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार अपनी जेब से पानी नहीं देती, यह प्रकृति और जनता का संसाधन है। मिश्र ने कहा, 'खेत को पानी पहुंचाना हमारा अधिकार है और अनुभव बताता है कि सरकार की नाक दबाने से ही पानी मिलता है।' उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और उनके संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए किसानों को स्वाभिमान के साथ अपनी लड़ाई लड़ने का आह्वान किया।

प्रदेश महामंत्री तुलछाराम सीवर ने किसानों की समस्याओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिन बुनियादी समस्याओं का समाधान दशकों पूर्व हो जाना चाहिए था, वे आज भी विकट रूप में हमारे सामने खड़ी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाना संगठन की मूल मांग है। प्रांत प्रचार प्रमुख आशीष मेहता ने बताया कि तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के दौरान संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान और आगामी कार्ययोजना को लेकर गहन मंथन किया गया, ताकि किसानों की आवाज को शासन तक मजबूती से पहुँचाया जा सके। सम्मेलन को अखिल भारतीय जनजातीय कार्य प्रमुख मणिलाल लबाना, सीमा क्षेत्र कार्य प्रमुख कैलाश गैंदोलिया, महिला प्रमुख मंजू दीक्षित, प्रांत अध्यक्ष शंकरलाल नागर और संभाग संरक्षक कर्नल जयराज सिंह, संभाग कार्यवाहक अध्यक्ष सीताराम डांगी, जिला अध्यक्ष गिरिजा शंकर पांचाल, प्रदेश उपाध्यक्ष बद्री लाल जाट और जगदीश कलमंडा सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं हजारों की संख्या में किसान उपस्थित रहे। अंत में किसानों ने धूणी के समक्ष संकल्प लिया कि जब तक माही-जाखम का पानी खेतों तक नहीं पहुँचता, आंदोलन जारी रहेगा।

महिला जागृति संस्थान द्वारा सामूहिक जन्मोत्सव में दिखा सर्व समाज का सौहार्द

▪ स्मार्ट हलचल

गंगापुर सिटी । महिला जागृति संस्थान द्वारा 12 अप्रैल को सर्व समाज की महिलाओं का ऐतिहासिक 'सामूहिक जन्मदिन महोत्सव' मनाया गया

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित करके की।

संस्थान की जिलाध्यक्ष डॉक्टर कुसुम गुप्ता ने बताया कि जनवरी से लेकर दिसंबर तक जन्मी सभी सर्व समाज की विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं का विशेष रूप से सामूहिक जन्मदिन महोत्सव का आयोजन किया गया। वर्ष भर की खुशियां एक मंच पर समाहित हो गई। जिसमें सभी महिलाओं का एक साथ जन्मदिन मनाया गया और सभी महिलाओं को जन्मदिन के विशेष आकर्षक उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।जिससे महिलाओं के बीच उत्साह और सौहार्द का माहौल रहा। इस ऐतिहासिक अनूठी पहल का उद्देश्य नारी शक्ति को बढावा देना,महिलाओं के बीच आपसी भाईचारा बढ़ाना और उनके

खुशियों के पलों को सामूहिक रूप से साझा करना। पारंपरिक लोकगीतों और सरप्राइज गिफ्ट की बौछार ने सभी का मन मोह लिया। संस्थान की महामंत्री ममता सैनी एवं कोषाध्यक्ष ममता जैन ने बताया कि संस्थान में नए सदस्य के रूप में जुड़ने वाली महिलाओं का भी गिफ्ट देकर स्वागत,अभिनंदन किया गया।संयोजक मंडल ने बताया कि महिला जागृति संस्थान द्वारा चलाए जा रहे स्थाई प्रोजेक्ट प्रतिदिन पक्षियों को दाना चुग्गा,और नियमित पक्षियों को जल सेवा, एवं सीमेंट बेंच आदि के भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम का मंच संचालन इंजीनियर महेश गुप्ता सर्वेयर एवं सुरभी मंगल ने किया। कार्यक्रम में डॉक्टर कुसुम गुप्ता, ममता सैनी, ममता जैन, सुरभी मंगल, सुषमा जैन, सीमा सिंघल, शीला प्रजापति, सीमा गर्ग, अनीता प्रजापत,आकांक्षा अग्रवाल,सीमा,प्रसून, सुषमा गुप्ता, वंदना गुप्ता, दिव्या गुप्ता, ममता गुप्ता, सुनीता अग्रवाल, लक्ष्मी जोशी, कल्पना जैन, नीरा जैन, सुपिता मांझीवाल ,महादेवी बैरवा,रानी गोयल ,वीना पटेल, मालती जोशी,रीमा गर्ग, माधुरी गोयल, ऊषा जिंदल, अर्चना गोयल, गायत्री जोशी, कल्पना कुमारी, नूतन गुप्ता,निधि कविता, चंचल कुमारी, कोमल लखवानी,रजनी,मोना, मुक्ता, पुष्पा, राधा जादौन , रेणुका शर्मा, मनीषा नरूका, सुमन नरूका, ज्योती नरूका, गीतिका नरूका, दिव्या, सुनीता, सीमा, नीरा जैन, आशा सिंघल, पुष्पा, नीलम, सुषमा, मनीषा मीणा, लक्ष्मी, पूजा शर्मा आदि महिलाएं उपस्थित रही।

जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी से पूर्व राज्यमंत्री जाड़ावत ने कोटा में दर्शन कर आशीर्वाद लिया, चित्तौड़ आने का दिया न्यौता

▪ स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी के धर्मपुरा कोटा प्रवास में रामकरण गुंजल के निवास स्थान पर पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत, पूर्व नगर परिषद सभापति रमेशनाथ योगी, ओबीसी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष गेहरूगिरी गोस्वामी ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर धार्मिक चर्चा की।

प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया कि पूर्व राज्यमंत्री जाड़ावत ने माघ मेले में उनके शिष्यों के साथ हुई घटना को लेकर चित्तौड़गढ़ में कांग्रेस द्वारा उनके पक्ष में उतर प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन की मीडिया कवरेज कई अखबारों की प्रतिलिपि भेट की जिस पर उन्होंने पूर्व राज्यमंत्री के कार्य को सराहते हुए माला एवं शॉल पहनाई एवं गौ हत्या रोकने के मिशन से जुड़ने एवं गौ वंश को बचाने का आव्हान किया जिस पर उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार में गोवंश बचाने के लिए हर गौशाला निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपए एवं 10 बीघा जमीन आवंटन के आदेश के बारे में जानकारी दी। चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आपकी गिरफ्तारी की खबरों के बीच आपके साथ हो रहे अन्याय को लेकर आपके दर्शन करने के लिए उत्तराखण्ड आने की इच्छा थी लेकिन आप द्वारा गौ हत्या को बंद करने को लेकर देशभर में मुहिम को लेकर प्रवासरत रहे थे। आज सुबह अखबार के माध्यम से आपके कोटा प्रवास पर होने की वजह से दर्शन करने पहुंचे एवं उन्हें चित्तौड़गढ़ आने का न्योता दिया।

संगठन बढ़ाओ-लोकतंत्र बचाओ' अभियान के तहत दलित बस्तियों में उमड़ा जनसैलाब

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भाजपा की जनविरोधी नीतियों और तानाशाही के खिलाफ कांग्रेस ने फूंका बिगुल; जनसंवाद में सुनीं समस्याएं

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर | ब्यावर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यावर द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आयोजित "संगठन बढ़ाओ – लोकतंत्र बचाओ" अभियान के अंतर्गत रविवार को दलित एवं पिछड़ी बस्तियों में व्यापक जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामाजिक न्याय व सुरक्षा सप्ताह के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों ने केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार पर जमकर प्रहार किए।

महंगाई और तानाशाही पर घेरा

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ बस्तियों का दौरा कर लोगों के दुख-दर्द सुने। जनसभा को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, 'भाजपा राज में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा हार के डर से निकाय और पंचायती राज चुनावों को टाल रही है, जो लोकतंत्र की हत्या है। हाईकोर्ट की फटकार के बावजूद सरकार बहानेबाजी कर रही है।'

वंचितों की आवाज बुलंद करने का संकल्प

कार्यक्रम में खनन विकास एवं उत्थान प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष आशीषपाल पदावत ने कहा कि भाजपा केवल पूंजीपतियों की सरकार बनकर रह गई है। वहीं, अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष अजमत काठात ने अल्पसंख्यकों पर बढ़ते अत्याचारों पर चिंता जताई और सुरक्षा का भरोसा दिया। मूलभूतसुविधाओंकेलिएतरसरहीजनता जनसंवाद के दौरान स्थानीय निवासियों ने नेताओं के सामने अपनी समस्याओं का अंबार लगा दिया। सैकड़ों लोगों ने निम्नलिखित मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया: पेयजल और बिजली की भारी किल्लत। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव। बढ़ती बेरोजगारी और आर्थिक तंगी।

सड़क से संसद तक लड़ाई का एलान

एडवोकेट अजय शर्मा ने आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी इन वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए सड़क से लेकर संसद तक आवाज उठाएगी।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि अभियान के शेष दिनों में भी हर घर तक पहुंचें और संगठन को मजबूत कर लोकतंत्र को बचाने का कार्य करें।

उपस्थिति:

इस दौरान राजेश व्यास, रसूल काठात, निहाल, नौरत भील, बीरम भील, मोती रैदास, रामजी रावत, प्रकाश नवल, निज़ामुद्दीन, छगन, सूरज नाथ, लक्ष्मी रैदास, पूजा भील सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

आस्था का बाज़ारीकरण: वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

वीआईपी दर्शन के बढ़ते चलन में आम श्रद्धालु कहाँ खड़ा है ?

डॉ. सत्यवान सौरभ

▪ स्मार्ट हलचल

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। "भगवान के दरबार में सब बराबर हैं"—यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं।

देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है—विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक "प्रीमियम सेवा" बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक—मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है।

वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है।

लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है।

इसके अलावा, मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है।

धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है।

इस समस्या का समाधान आसान नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी सेवाओं की संख्या और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं का उद्देश्य केवल अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना।

दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम, और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है।

तीसरा, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु, चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति, सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

चौथा, सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

अंततः, यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है।

आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ भगवान के दर्शन भी पैसे और पहुँच के आधार पर तय होंगे? या हम उस मूल भावना को बचाए रखेंगे, जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो?

मंदिरों की पवित्रता केवल उनकी भव्यता या व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले अनुभव से तय होती है। यदि वह अनुभव भेदभाव और असमानता से भरा होगा, तो आस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहाँ हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है—जहाँ सब बराबर हैं।

भाव की भक्ति या दिखावे का दौर: आज भी क्यों प्रासंगिक हैं महाप्रभु वल्लभाचार्य

पवन वर्मा

▪ स्मार्ट हलचल

"महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के शुद्धाद्वैत और पुष्टिमार्ग के सिद्धांत, जो अनुभाष्य और सुबोधिनी जैसे ग्रंथों में मिलते हैं, उसका भाव यही है कि 'भक्ति में आडंबर नहीं, भाव होना चाहिए" वल्लभाचार्य जी की यह विचारधारा , आज भी उनकी जयंती पर पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक हो चुकी है। जब समाज दिखावे, प्रतिस्पर्धा और बाहरी सफलता के दबाव में उलझा हुआ है, तब वल्लभाचार्य जी का यह संदेश सीधे सवाल खड़ा करता है कि क्या हम सच में भीतर से संतुष्ट हैं, या सिर्फ बाहर से सफल दिखने की कोशिश कर रहे हैं?

वल्लभाचार्य ने भक्ति को कर्मकांडों और जटिल विधियों से मुक्त कर एक ऐसे मार्ग की स्थापना की, जिसमें ईश्वर तक पहुंचने के लिए किसी विशेष वर्ग, जाति या संसाधन की आवश्यकता नहीं थी। उनका पुष्टिमार्ग इसी सोच का विस्तार है, जहां भगवान को पाने का रास्ता प्रेम, सेवा और समर्पण से होकर जाता है। यह विचार आज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आधुनिक समाज में आध्यात्मिकता भी धीरे-धीरे एक 'प्रदर्शन' का माध्यम बनती जा रही है। भव्य आयोजन, महंगे अनुष्ठान और सोशल मीडिया पर दिखावा।

ऐसे समय में वल्लभाचार्य जी का यह आग्रह कि "ईश्वर को पाने के लिए मन की सच्चाई जरूरी है, साधनों की भव्यता नहीं", हमें आत्ममंथन के लिए मजबूर करता है। यह सोच केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में लागू होती है। आज रिश्तों में भी हम अक्सर दिखावे और औपचारिकता में उलझ जाते हैं, जबकि असली जरूरत सच्चे भाव और विश्वास की होती है।

वल्लभाचार्य जी का जीवन भी इसी सिद्धांत का प्रमाण है। उन्होंने पूरे भारत में भ्रमण कर लोगों को सरल भाषा में भक्ति का अर्थ समझाया। उन्होंने यह नहीं कहा कि भगवान को पाने के लिए जंगलों में जाना होगा या कठिन तपस्या करनी होगी, बल्कि उन्होंने गृहस्थ जीवन को ही भक्ति का केंद्र बना दिया। यह एक क्रांतिकारी विचार था, जिसने आम लोगों के लिए आध्यात्मिकता के दरवाजे खोल दिए।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर यह सोचते हैं कि आध्यात्मिकता के लिए अलग से समय निकालना होगा, जबकि वल्लभाचार्य जी का संदेश साफ है कि जीवन के हर छोटे-छोटे काम में भी ईश्वर का स्मरण और सेवा की भावना हो सकती है। यानी, काम करते हुए, परिवार के साथ रहते हुए, समाज में योगदान देते हुए भी हम आध्यात्मिक रूप से समृद्ध हो सकते हैं।

वल्लभाचार्य जी ने 'सेवा' को भक्ति का केंद्र बनाया। श्रीकृष्ण को बालक रूप में मानकर उनकी सेवा करना केवल धार्मिक क्रिया नहीं,यह तो भगवान से मनुष्य का भावनात्मक जुड़ाव है। आज जब परिवारों में दूरी बढ़ रही है और रिश्ते औपचारिक होते जा रहे हैं, तब यह संदेश बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

वल्लभाचार्य जयंती केवल उनके जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि उनके विचारों को समझने और उन्हें जीवन में उतारने का अवसर भी है। खासकर युवाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण संदेश है कि सफलता केवल आर्थिक या सामाजिक उपलब्धियों से नहीं मापी जा सकती। जीवन में सच्ची एवं वास्तविक सफलता के लिए आंतरिक संतोष और मानसिक शांति भी उतनी ही जरूरी है।

आज की दुनिया में जहां मानसिक तनाव,अकेलापन और असंतोष बढ़ रहा है, वल्लभाचार्य की शिक्षाएं एक संतुलित जीवन की दिशा दिखाती हैं। उनका 'पुष्टि' का सिद्धांत, यानी ईश्वर की कृपा, हमें सिखाता है कि सब कुछ हमारे नियंत्रण में नहीं होता, और कभी-कभी जीवन को स्वीकार करना और उसमें संतोष ढूंढना भी जरूरी होता है।

धार्मिक आयोजनों के संदर्भ में भी वल्लभाचार्य का दृष्टिकोण आज के समय को आईना दिखाता है। जहां एक ओर भक्ति बड़े-बड़े आयोजनों और खर्चीले कार्यक्रमों में सिमटती जा रही है, वहीं उनका संदेश हमें सादगी और सच्चाई की ओर लौटने का आह्वान करता है। यह सोच न केवल आध्यात्मिक रूप से, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी संतुलन लाने में मदद कर सकती है।

श्री वल्लभाचार्य ने अनेक भाष्यों, ग्रंथों, नामावलियों, एवं स्तोत्रों की रचना की है, जिनमें सोलह प्रमुख ग्रंथ हैं, जिन्हें 'षोडश ग्रन्थ' के नाम से जाना जाता है। ये यमुनाष्टक, बालबोध, सिद्धान्त मुक्तावली,पुष्टिप्र

हमर्यादाभेद,सिद्धान्तरहस्य, नवरत्नस्तोत्र,अन्तःकरणप्रबोध, विवेक धैर्याश्रय,श्रीकृष्णाश्रय,चतुःश्लोकी,भक् तिवर्धिनी,जलभेद,पंचपद्यानि,संन्यास निर्णय,निरोधलक्षण और सेवाफल हैं।

शुद्धाद्वैत का प्रतिपादक प्रधान दार्शनिक ग्रन्थ है - अणुभाष्य (ब्रह्मसूत्र भाष्य अथवा उत्तरमीमांसा)। इनके अतिरिक्त वल्लभाचार्य जी द्वारा प्रणीत कई अन्य ग्रन्थ, जैसे

'तत्वार्थदीपनिबन्ध', 'पुरुषोत्तम सहस्रनाम', 'पत्रावलम्बन', 'पंचश्लोकी', पूर्वमीमांसाभाष्य,

भागवत पर सुबोधिनी टीका आदि भी प्रसिद्ध हैं। 'मधुराष्टक' स्तोत्र में महाप्रभु ने भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप, गुण, चरित्र, लीला आदि के माधुर्य को अत्यंत मधुर शब्दों और भावों से निरूपित किया है।

उपरोक्त मुख्य साहित्य के अलावा, उन्होंने पत्रावलम्बन, मधुराष्टकम, गायत्रीभाष्य, पुरूषोत्तम सहस्त्रनाम आदि जैसे अतिरिक्त कार्यों की भी रचना की। उन्होंने संस्कृत ग्रंथों, ब्रह्म-सूत्र (अणुभाष्य), और श्रीमद्भागवतम् (श्री सुबोधिनी जी, तत्त्वार्थ दीप निबन्ध) पर विस्तृत टिप्पणियाँ लिखीं।

वल्लभाचार्य जी के संदेश हमें केवल अतीत की याद दिलाने के लिए नहीं, बल्कि वर्तमान को सुधारने के लिए भी प्रेरित करते हैं। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि क्या हम अपने जीवन में सच्चाई, प्रेम और सेवा को उतनी ही प्राथमिकता दे रहे हैं, जितनी बाहरी उपलब्धियों को देते हैं।

महाप्रभु वल्लभाचार्य का यही सबसे बड़ा योगदान है कि उन्होंने भक्ति को जीवन से जोड़ा, उसे सहज बनाया और हर व्यक्ति के लिए सुलभ किया। आज, जब हम उनकी जयंती मना रहे हैं, तो यह केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक अवसर है,अपने भीतर झांकने का, अपने जीवन को सरल बनाने का और सच्चे अर्थों में 'भक्ति' को समझने का।

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रेफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डियो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेंगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

पालमपुर

अपने में समेटे है अनगिनत धरोहर

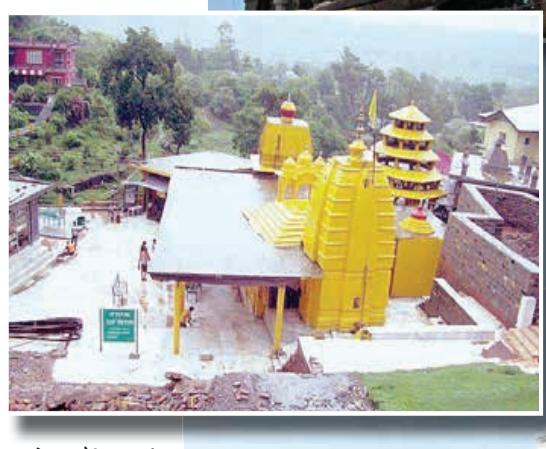

पालमपुर हिमाचल प्रदेश की मनोरम वादियों में बसा एक छोटा सा पर्वतीय स्थल है। हिमाचल प्रदेश की इस छोटी सी सैरगाह को धौलाधार पर्वतमाला के साये में फैली कांगड़ा घाटी का सुंदरतम स्थान कहा जाता है। समुद्र तल से 1205 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पालमपुर सर्दी हो या गर्मी, हर मौसम में सैलानियों को आकर्षित करता है। कहते हैं पालमपुर के नाम की उत्पत्ति स्थानीय बोली के 'पुलम' शब्द से हुई थी। जिसका अर्थ पर्याप्त जल होता है। वास्तव में इस क्षेत्र में जल की कोई कमी नही है। हर ओर जल के सोते, झरने या नदियां मौजूद हैं। शायद इसीलिए यहां की हवाओं में शीतलता के साथ नमी भी है। हवाओं की यह नमी और पहाड़ी ढलानों पर खुलकर पड़ती सूर्य की किरणों का मिला-जुला रूप यहां की जलवायु को एक विशिष्टता प्रदान करता है। एक ऐसी विशिष्टता जो चाय की खेती के अनुकूल है। इस क्षेत्र की यह खासियत भांप कर 1849 में डा. जमसन ने यहां पहली बार चाय की खेती की थी। कुछ दशकों में ही कांगड़ा घाटी की चाय विश्व प्रसिद्ध हो गई।

खूबसूरत नजारे

आज पालमपुर शहर बड़े-बड़े चाय बागानों के मध्य ही बसा है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण ये हरे-भरे चाय के बागान हैं। पैदल घूमते हुए मार्ग के दोनों और दूर-दूर तक चाय के झाड़ीनुमा पौधे और उनमें पत्तियां चुनते लोग एक सुंदर दृश्य प्रस्तुत करते है। कमर पर लंबी टोकरी बांधे ये लोग अपने काम में व्यस्त रहते है। कुछ पर्यटक भी इन बागानों के मध्य घूमते पहुंच जाते है। जो अपने आप में अलग ही अनुभव होता है। पालमपुर में 'न्युगल खड' नामक स्थान एक पिकनिक स्पॉट के समान है। यह स्थान पहाड़ के छोर पर एक खड़ी चट्टान पर स्थित है। जहां से बादला जलधारा और धौलाधार की 15000 फुट से ऊंची पर्वत श्रंखलाओं का खूबसूरत नजारा दिखाई पड़ता है। इस स्थान से हर दिशा में प्राकृतिक सुषमा का साम्राज्य देखने को मिलता है। यहां पर्यटन विभाग का न्युगल कैफे भी है। दूर ही करीब 5 शताब्दी पुराना बांदला माता मंदिर और विंध्यवासिनी मंदिर भी दर्शनीय है। चाय बागानों के अतिरिक्त चीड़ व देवदार के जंगल भी पालमपुर की हरीतिमा में अपना योगदान देते हैं।

पालमपुर शहर का केंद्र सुभाष चौक है जिसके आसपास यहां का बाजार फैला है। जहां अनेक फास्ट फूड पार्लर और रेस्तरां हैं। पर्यटक चाहें तो कोआपरेटिव टी फैक्ट्री में चाय की प्रोसेसिंग का काम भी देख सकते हैं। यहां पहुंच कर चाय की महक और उसका स्वाद उन्हें चाय खरीदने को भी अवश्य आकर्षित कर लेगा। एक आदर्श पर्यटन स्थल के रूप में पालमपुर की प्रसिद्धि का एक और बड़ा कारण है।

दरअसल इस स्थान को आधार बनाकर सैलानी हिमाचल प्रदेश कि सुप्रसिद्ध कांगड़ा घाटी के अनेक दर्शनीय स्थल सरलता से देख सकते हैं। इसके लिए पहले सैलानी कांगड़ा घाटी रेलवे की टॉय ट्रेन का मनमोहक सफर तय कर पालमपुर पहुंचते हैं। जिसके आसपास विभिन्न दिशाओं में कई महत्वपूर्ण स्थल थोड़ी-थोड़ी दूर स्थित हैं। जहां बस या टैक्सी द्वारा जाना आसान है। 13 कि.मी. दूर स्थित आंद्रेटा ऐसा ही एक स्थान है। यह स्थान कलाप्रेमियों का तीर्थ कहा जाता है। यह स्थान ग्रामीण व पंजाबी थियेटर को समर्पित नोरा रिचर्ड की स्मृतियों से जुड़ा है। वह गांधी जी की शिष्या भी थीं। उनके अलावा आंद्रेटा का संबंध प्रसिद्ध चित्रकार पद्मश्री सोबा सिंह व बीसी सान्याल से भी है।

यहां सोबा सिंह की छोटी सी कला दीर्घा है। जहां उनके बहुत से चित्रों में सोहनी-महिवाल, हीर रांझा व कांगड़ा दुल्हन जैसे प्रसिद्ध चित्र भी प्रदर्शित हैं। प्रसिद्ध ऐतिहासिक बैजनाथ मंदिर पालमपुर से मात्र 18 कि.मी. दूर है। लगभग 1200 वर्ष प्राचीन यह मंदिर वास्तुशिल्प व पुरातत्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मंदिर के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग की गिनती 12 ज्योतिर्लिंगों में होती है। मंदिर के आसपास सुंदर उद्यान है। जहां से पर्वतशिखरों पर मंडराते बादलों का दृश्य पर्यटकों को प्रभावित करता है। शिवरात्रि पर यहां एक विशाल मेला लगता है।

चामुण्डा देवी मंदिर

पालमपुर से लगभग 17 कि.मी. दूर एक और धार्मिक स्थल चामुण्डा देवी मंदिर है। यह स्थान चामुण्डा- नंदिकेश्वर धाम' के रूप में भी जाना जाता है। बाण गंगा के तट पर स्थित यह धाम एक उग्र सिद्ध पीठ है। मां काली ने जिस रूप में यहां चण्ड-मुण्ड राक्षसों का वध किया था। उस रूप को यहां चामुण्डा देवी के रूप में पूजा गया। नवरात्रों के मौके पर यहां भक्तों की अपार भीड़ होती है। चामुण्डा से मात्र 18 कि.मी. दूर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल धर्मशाला है। पालमपुर से कांगड़ा का वज्रेश्वरी देवी मंदिर और ज्वाला जी का ज्वालामुखी मंदिर भी पालमपुर से अधिक दूर नहीं हैं।

वज्रेश्वरी देवी को नगरकोट कांगड़े वाली माता भी कहा जाता है। वहीं ज्वालामुखी मंदिर देवी के 51 शक्तिपीठों में से एक होने के कारण प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। मान्यता है कि इस स्थान पर सती की जिह्वा गिरी थी। यहां चट्टान की दरारों से निरंतर एक ज्वाला प्राकृतिक रूप से निकलती रहती है। नीले रंग की यह ज्वाला ही देवी का रूप मानी जाती है। मंदिर में देवी की प्रतिमा भी विद्यमान है। ज्वाला जी मंदिर का स्वर्ण से मढ़ा गुंबद अत्यंत भव्य है। कृपालेश्वर मंदिर, वीर भद्र मंदिर, कुरुक्षेत्र कुण्ड व गुप्तगंगा कांगड़ा के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

कांगड़ा घाटी के बीड़ व बिलिंग स्थान साहसिक खेलों से जुड़े हैं। ये स्थान पालमपुर से मात्र एक-डेढ़ घंटे की दूरी पर स्थित है। इनकी गिनती देश के महत्वपूर्ण पैराग्लाइडिंग केंद्रों के रूप में होती है। इनके अलावा पालमपुर से कुछ चुने हुए ट्रैकिंग मार्ग भी विभिन्न दिशाओं की ओर जाते हैं जिन पर प्रकृति का वैभव ट्रैकिंग के शौकीन लोगों की प्रतीक्षा करता है। पालमपुर से कुछ दूर गोपालपुर वन्यप्राणी उद्यान है। चामुण्डा मंदिर की ओर जाते हुए यह उद्यान भी देखा जा सकता है।

पालमपुर

हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी के प्रमुख स्थलों की सैर करने के लिए पालमपुर एक उपयुक्त आधार स्थल है। मानसून को छोड़ कर आप यहां हर मौसम में जा सकते हैं। पालमपुर का निकटतम ब्रॉडगेज रेलवे स्टेशन पठानकोट है। जहां से छोटी लाइन की टॉय ट्रेन द्वारा सैलानी पालमपुर पहुंच सकते हैं। पालमपुर स्टेशन से शहर करीब तीन किलोमीटर दूर है। स्टेशन से टैक्सी द्वारा शहर तक पहुंच सकते हैं। बस मार्ग द्वारा पालमपुर मंडी, चंडीगढ़, धर्मशाला, शिमला व दिल्ली से जुड़ा है। अमृतसर व चंडीगढ़ के हवाईअड्डे यहां के निकटतम हवाई अड्डे हैं।

कांगड़ा क्वीन के सफर का आनंद

हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी के प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखने के उद्देश्य से इस मार्ग पर चलने वाली विशेष रेलगाड़ी कांगड़ा क्वीन के सफर का आनंद उठाना उपयुक्त है। यह देश के उन कुछ रास्तों में से एक है जिनपर अब भी छोटी लाइन की गाड़ियों का आनंद लिया जा सकता है। घुमावदार पहाड़ी रास्तों से गुजरने वाली इस ट्रेन की खिड़की से प्रकृति के अनेक रूप देखने को मिलते हैं। पठानकोट से पालमपुर तक चलने वाली यह टाय ट्रेन पर्यटकों के लिए खासतौर पर शताब्दी शैली में चलाई जाती है। सुबह सवा आठ बजे पठानकोट से प्रस्थान कर यह ट्रेन दोपहर एक बजे के लगभग पालमपुर पहुंचती है।

यूं तो मार्ग में अनेक स्टेशन है। किंतु यह ट्रेन केवल कांगड़ा व ज्वालामुखी रोड स्टेशन पर ही रुकती है। पहाड़ों पर खिले रंग-बिरंगे जंगली फूल, दूर तक दिखते धान के खेत, स्लेट पत्थर की छत वाले घर और घाटी के स्थानीय सीधे-सादे लोग टॉय ट्रेन से दिखने वाले दृश्यों में विविध रंग भरते है। मार्ग का आकर्षण ट्रेन गुजरती है तो यात्री बरबस अलावा पहाड़ी नदियों पर बने गोलाकार मोड़ भी सैलानियों को में कांगड़ा घाटी रेलवे का यह सफर बन जाता है

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com